

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा धारा 82 द० प्र० सं०

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि श्री मामी. परवेज पुल दुल्लन रहा
 पुत्र.....दुर्लक्षण रहा.....निवासी.....मुमुक्षु दिया.....थाना.....मीरगंज
 जिला.....बरेली.....ने भा० द० सं० की धारा ५।२।।२८।।२९ NDPS Act
 थाना-न्यायालयी N.C.B.....जिला.....बाराबंधी.....के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध किया
 है/या सन्देह है कि उसने किया है और उस जारी किये गये गिरफ्तारी के बारण्ट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त.....
सामीर.....परवेज.....५०.....दुर्लक्षण रहा.....मिल नहीं रहा है ओर मुझे समाधानप्रद रूप में यह दर्शित
 कर दिया गया है कि उक्त.....सामीर.....परवेज.....५०.....दुर्लक्षण रहा.....फरार हो गया है या उक्त बारण्ट की
 तामीली से बचने के लिये अपने आपको छिपा रखा है।

इसलिये इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि ल.न.ट. नं.- ९०।।१२, भारत लोष...८८.....राष्ट्रीय.....राजा.....दामी
के उक्त.....मामी. परवेज.....५०.....दुल्लन रहा.....से अपेक्षा की जाती है कि यह इस न्यायालय
 के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिये.....या.....अपर लाल न्यायाधीश, या इस.....२.....बाराबंधी
 स्थान में तारीख.....२५।।१।।२०२०.....को हाजिर हों।



CHQ.

हस्ताक्षर

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश
न्यायालय संख्या-२ बाराबंधी

ठाँ० उमाई
१२-१२-१९
२०१ क उमाई

३१ दृष्टि २१ रुपौ लंडौ रुपौ

१२-१२-१९
७६१७७७२२१६

मम दृष्टि